विशेष अर्थ में प्रयोग किए गए ये वाक्यांश ही 'मुहावरे' हैं। अतः कहा जा सकता है कि

> सामान्य शाब्दिक अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ में प्रयोग किए गए वाक्यांशों को 'मुहावरे' कहा जाता है।

मुहावरों के प्रयोग में दो बातों का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है–

(क) मुहावरे वाक्यों के साथ ही अच्छे लगते हैं, स्वतंत्र प्रयोग में ये अर्थ प्रकट नहीं कर पाते।

(ख) मुहावरे के शब्दों को बदलना नहीं चाहिए; जैसे– आग बबूला होना को अग्नि या ज्वाला बबूला होना नहीं कह सकते।

कुछ प्रमुख मुहावरे, उनके अर्थ तथा वाक्य प्रयोग–

1. अंग-अंग मुसकाना (बहुत खुश होना)– जन्मदिन पर मामा जी से मनचाहा उपहार पाकर उसका अंग-अंग मुसकाने लगा।
2. अंग-अंग ढीला होना (बहुत थक जाना)– मज़दूरों से दिनभर इतना काम लिया जाता है कि शाम तक बेचारों का अंग-अंग ढीला हो जाता है।
3. अंधे के हाथ बटेर लगना (बिना प्रयास के संयोग से कुछ मनचाहा मिल जाना)– बिना पढ़े रोहन का कक्षा में प्रथम आना अंधे के हाथ बटेर लगने जैसा है, पर ऐसा हर बार नहीं हो सकता।
4. अगर-मगर करना (टालमटोल करना)– विपिन से उसका कोई भी सामान माँगो, तो वह अगर-मगर करने लगता है।
5. अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना (अपना नुकसान खुद करना)– जो लोग जीवन में समय का ध्यान नहीं रखते, वे अपने पाँवों पर आप कुल्हाड़ी मारते हैं।
6. आग बबूला होना (बहुत अधिक गुस्सा होना)– आजकल लोग छोटी-छोटी बातों पर आग बबूला होने लगते हैं।

7. आँखें खुलना (सचेत होना/सही का ज्ञान होना)- ठोकर खाने के बाद अच्छे-अच्छों की आँखें खुल जाती हैं।

8. आँखों का तारा होना (बहुत प्यारा होना)- बच्चे माँ-बाप के साथ-साथ सभी की आँखों का तारा होते हैं।

9. आसमान से बातें करना (बहुत ऊँचा होना)- दुबई में बुर्ज खलीफ़ा सहित कई इमारतें आसमान से बातें करती हैं।

10. आकाश छूना (बहुत तरक्की करना)- वह इतना परिश्रमी है कि एक दिन अवश्य आकाश छुएगा।

11. आकाश-पाताल एक करना (बहुत अधिक मेहनत करना)- आज आकाश-पाताल एक करके ही अपना लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

12. ईंट का जवाब पत्थर से देना (करारा जवाब देना)- हमारे वीर सैनिक दुश्मनों को ईंट का जवाब पत्थर से देते हैं।

13. ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना)- जबसे रमन की नौकरी लगी है, वह तो ईद का चाँद हो गया है।

14. उन्नीस बीस का अंतर होना (मामूली-सा अंतर होना)- उन दोनों की सूरत में बस उन्नीस-बीस का अंतर है।

15. उल्लू बनाना (मूर्ख बनाना)- साधु के वेश में घूमने वाले ठग लोगों को उल्लू बनाकर उनसे रुपए ठग लेते हैं।

16. एक आँख से देखना (सबको एक जैसा मानना)- ईश्वर सबको एक आँख से देखते हैं।